फाइल सं :SKT/1-12/CUHP/21/2151

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Himachal Pradesh

(Accredited by NAAC with 'A+' Grade with CGPA of 3.42)

विभाग का नाम :संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग

आज़ादी का अमृत महोत्सव

दिनांक: 22.08.2025

कार्यालय आदेश

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय में भाषा संकाय के संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग द्वारा धर्मशाला, धौलाधार परिसर-1, में संस्कृत सप्ताह का आयोजन दिनांक 25.08.2025 से 29.08.2025 तक किया जा रहा है | संस्कृत सप्ताह में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां करवाई जा रही है | गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिए समितियों का गठन किया गया है जिसके सदस्य निम्नानुसार है :

क्र. सं	समितियों के नाम	तिथि	प्राध्यपक नाम	पदनाम
1	परिचर्चा	25.08.2025	डॉ. नरेन्द्र कुमार पाण्डेय	संयोजक
2	प्रदर्शनी	25.08.2025	डॉ. अर्चना कुमारी	संयोजक
3	श्लोकोच्चारण श्लोकस्मरण	26.08.2025	डॉ. विवेक शर्मा	संयोजक
4	यज्ञ	27.08.2025	डॉ. रणजीत कुमार	संयोजक
5	मन्त्रोच्चारण संस्कृत गीत	28.08.2025	डॉ. एन.वैति सुब्रमणियन	संयोजक
6	विशिष्ट व्याख्यान	29.08.2025	डॉ. अर्चना कुमारी	संयोजक

उक्त समिति सदस्य संस्कृत सप्ताह के आरम्भ से लेकर समाप्त होने तक पूर्ण कार्य करना सुनिश्चित करेंगें |

22.8.25

विभागाध्यक्ष,

संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग

प्रति :

1. सभी सदस्यों के सूचनार्थ |

संस्कृतसप्ताहव्याख्यानप्रतिवेदना

29.08.2025

कार्यक्रम प्रतिवेदन

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत सप्ताह के उपलक्ष्य में एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 29.8.2025 को किया गया था। इस कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो.सत प्रकाश बंसल ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में संस्कृत एवं संस्कृतज्ञों की महती भूमिका है। इस आवश्यकता की पूर्ति हेतु समाज में विशिष्ट प्रयत्न किए जाने चाहिए।

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित संस्कृत भारती के उत्तर क्षेत्रसंगठन मन्त्री श्रीमान नरेन्द्र कुमार ने कहा कि यदि हम संस्कृतज्ञ राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करना चाहते हैं तो हमें संस्कृत एवं संस्कृति दोनों का ही संरक्षण करना होगा। भाषा, संस्कृति और भूखंड इन तीनों का समावेश ही राष्ट्र है। इस राष्ट्र की भाषा संस्कृत है। यह ज्ञान विज्ञान की भाषा है। भारत को यदि आत्मसात् करना है, तो संस्कृत को आत्मसात् करना होगा। इसका सुव्यवस्थित अध्ययन करके इसमें निहित ज्ञान, विज्ञान, धर्म, दर्शन तथा संस्कृतियों का पालन करते हुए इस देश को पुनः परमवैभव को प्राप्त कराना संस्कृतज्ञों का ही दायित्व है।

इस अवसर पर विशिष्टातिथि अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. प्रदीप कुमार, सारस्वतातिथि भाषा संकायाध्यक्ष प्रो. रोशन लाल शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

अंत में संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो योगेन्द्र कुमार ने सभी आगंतुक अतिथियों को धन्यवाद प्रदान किया।

इस कार्यक्रम का संयोजन संस्कृत विभाग से डॉ. एन वैती सुब्रमणियन ने किया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के प्रो बृहस्पति मिश्र, डॉ रणजीत कुमार, डॉ अर्चना शर्मा, डॉ नरेंद्र पांडे, डॉ विवेक कुमार, डॉ ब्रजहरि दास, डॉ कुलदीप कुमार तथा परिसर के अन्य विभागो के भी विद्वान आचार्य, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

01.9.25

कार्यक्रम का विवरण अधो निर्दिष्ट -

29.08.25 संस्कृतसमाहोपलक्ष्य विशिष्ट व्याख्यान - कार्यक्रमस्य स्वरूपम्

मञ्चसञ्चालनम् - डॉ.ना.वैतिसुब्रह्मणियन

क्र.सं.	कार्यक्रमस्वरूपम्	आचरितुः नाम	कालः	
1.	वैदिकं मङ्गलम्	अनन्यगणः	03:00-03:02	
2.	दीपप्रज्वलनम्	ईशागणः (दीपमन्त्रः)	03:02-03:05	
3.	सरस्वतीवन्दना	ईशागणः (दीपमन्त्रः)		
	अतिथीनां सपर्या (चत्वारः) (नारिकेल, राङ्कवप्रदानेन)			
4.	1. प्रो. सत प्रकाश बंसलः, माननीयकुलपतिः (मुख्यातिथिः) 2. श्रीमान् नरेन्द्र कुमार जी, क्षेत्रसंगठनमन्त्री, संस्कृतभारती (मुख्यवक्ता) 3. प्रो. प्रदीपकुमार शर्म महोदयः, अधिष्ठाता अकादमिक (विशिष्टातिथिः) 4. प्रो. रोशन लाल शर्म महोदयः, भाषासंकायाध्यक्षः (सारस्वतातिथिः)	1. प्रो. योगेन्द्रकुमार (विभागाध्यक्षः) 2. प्रो. बृहस्पतिः मिश्रः (संयोजकः) 3. डॉ. कुलदीप कुमार 4. डॉ. विवेक शर्मा	03:06-03:15 सर्वेषामपि सम्मानम् निमेषत्रये भवितव्यम्	10 मिनट
5.	स्वागतभाषणं विद्वत्परिचयः च	प्रो. बृहस्पतिः मिश्रः	03:16-03:25	10 मिनट
6.	सारस्वतातिथिभाषणम्	प्रो.रोशन लाल शर्म महोदय	03:26-03:36	10 मिनट
7.	विशिष्टातिथिभाषणम्	प्रो. प्रदीपकुमार महोदय	03:36-03:46	10मिनट
8.	मुख्यवक्तृभाषणम्	श्रीमान् नरेन्द्र कुमार जी		
9.	मुख्यातिथिभाषणम्	प्रो. सत प्रकाश बंसलः महोदय	-	-
10	धन्यवादभाषणम्	प्रो. योगेन्द्रकुमार (विभागाध्यक्षः)	-	5मिनट
11	शान्तिमन्त्रः		-	1 मिनट

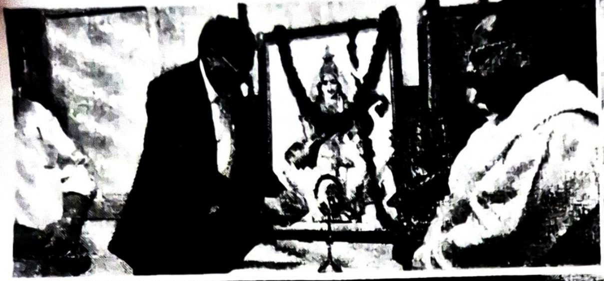

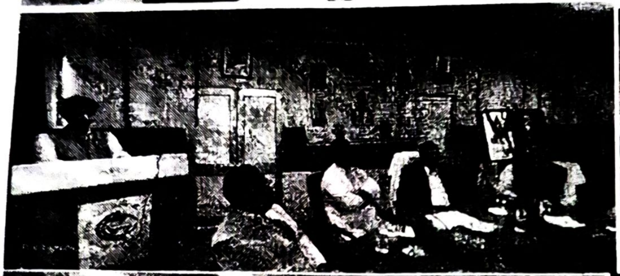

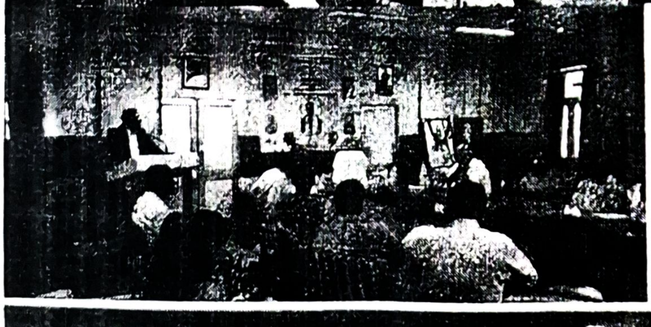

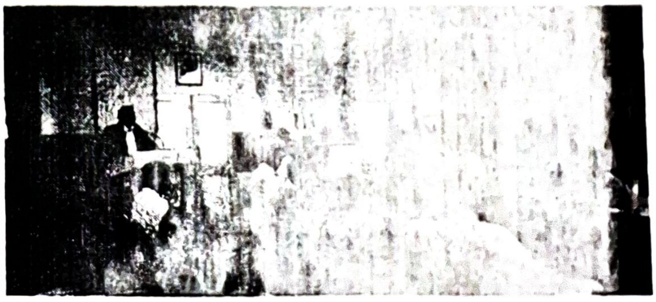

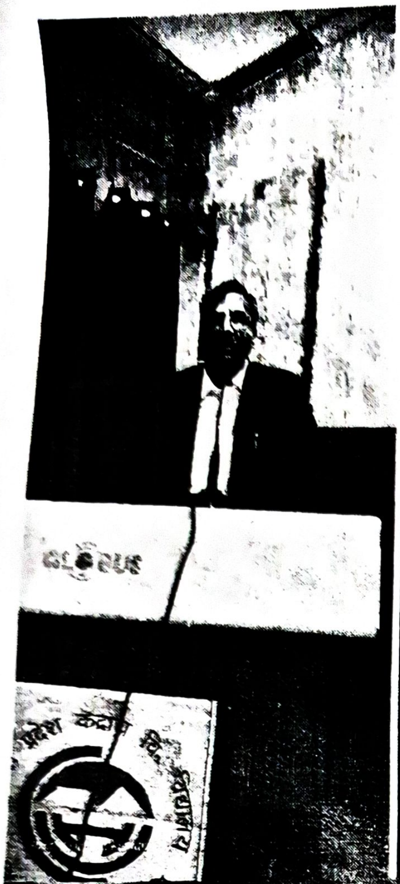

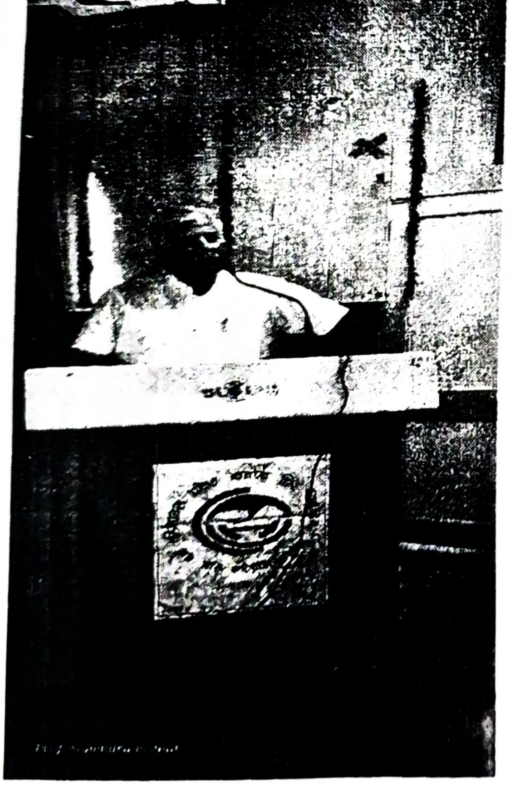

राष्ट्र निर्माण में संस्कृत एवं संस्कृतज्ञों की अहम भूमिका

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयू) के संस्कृत विभाग की ओर से संस्कृत सप्ताह के उपलक्ष्य में एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में संस्कृत और संस्कृतज्ञों की अहम भूमिका है, [illegible] के लिए समाज को ठोस प्रयास करने होंगे। मुख्य वक्ता संस्कृत भारती के उत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री नरेंद्र कुमार ने कहा कि भाषा, संस्कृति और भूखंड-इन तीनों के समन्वय से राष्ट्र का निर्माण होता है और संस्कृत इस राष्ट्र की आत्मा है। यदि भारत को पुनः परम वैभव की ओर ले जाना है, तो संस्कृत का संरक्षण, अध्ययन और प्रचार आवश्यक है।

संस्कृत और संस्कृति का करना होगा संरक्षण

जागरण संवाददाता, धर्मशाला: हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयू) के संस्कृत विभाग की ओर से संस्कृत सप्ताह के उपलक्ष्य में एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में संस्कृत और संस्कृतज्ञों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने इस दिशा में समाज में विशेष प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

मुख्य वक्ता संस्कृत भारती के उत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री नरेंद्र कुमार ने कहा कि यदि हम संस्कृतज्ञ राष्ट्र, निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करना चाहते हैं, तो हमें संस्कृत और संस्कृति दोनों का संरक्षण करना होगा। भाषा, संस्कृति और भूखंड इन तीनों का समावेश ही राष्ट्र का निर्माण करता है। उन्होंने कहा कि भारत की भाषा संस्कृत है, जो ज्ञान और विज्ञान की भाषा है।

यदि भारत को आत्मसात करना है, तो संस्कृत को भी आत्मसात करना होगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. प्रदीप कुमार और भाषा संकायाध्यक्ष प्रो. [illegible] शर्मा ने भी विचार साझा किए। [illegible] में संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. योगेंद्र कुमार ने सभी आगंतुक अतिथियों का धन्यवाद किया।

इस कार्यक्रम का संयोजन संस्कृत विभाग से डा. [illegible] सुब्रमण्यम ने किया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के प्रो. [illegible], डा. [illegible] कुमार, डा. [illegible] शर्मा, डा. [illegible], डा. [illegible] कुमार, डा. [illegible], डा. [illegible] कुमार तथा परिसर के अन्य विभागों के विद्वान, आचार्य, शोधार्थी एवं विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

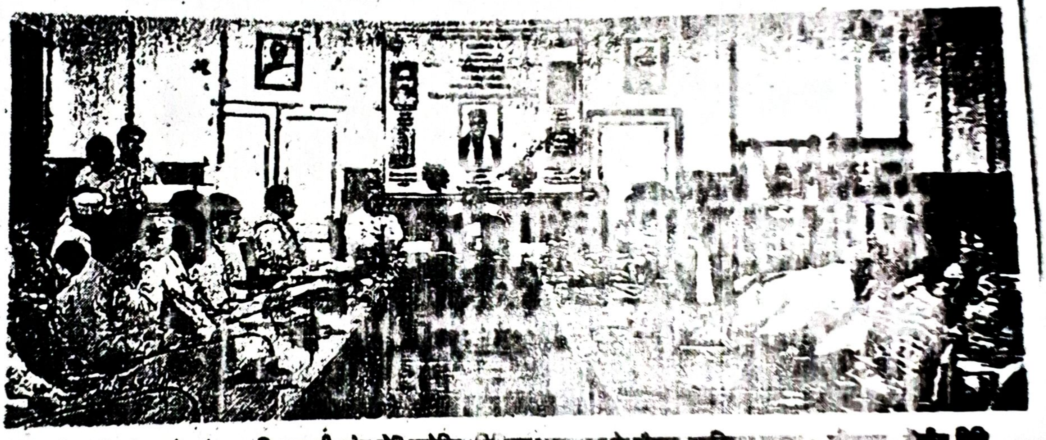

केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की ओर से आयोजित विशिष्ट व्याख्यान के दौरान उपस्थित [illegible] • [illegible]

राष्ट्र निर्माण में संस्कृत एवं संस्कृतज्ञों की भूमिका महत्वपूर्ण : कुलपति

राष्ट्र निर्माण में संस्कृत एवं संस्कृतज्ञों की भूमिका पर व्याख्यान आयोजित

राष्ट्र निर्माण में संस्कृत व संस्कृतज्ञों की भूमिका महत्वपूर्ण : प्रो. सत प्रकाश बंसल

राष्ट्र निर्माण में संस्कृत, संस्कृतज्ञों की विशेष भूमिका : प्रो. बंसल

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत सप्ताह के उपलक्ष्य में एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में संस्कृत एवं संस्कृतज्ञों की महत्वपूर्ण भूमिका है और इस दिशा में समाज को विशेष प्रयास करने होंगे।

मुख्य वक्ता संस्कृत भारती उत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री नरेंद्र कुमार ने कहा कि यदि संस्कृतज्ञ राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाना चाहते हैं तो

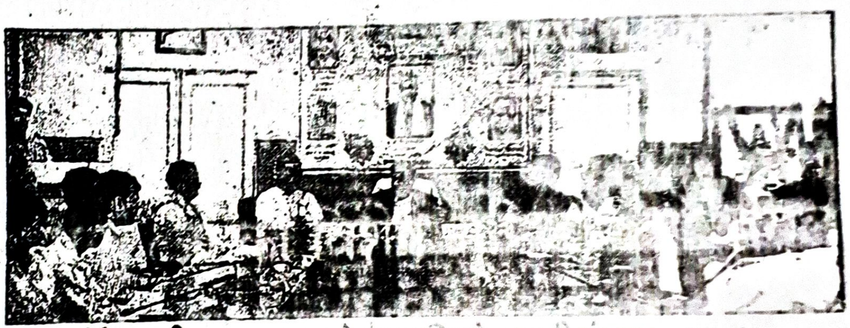

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते कुलपति प्रो. एसपी बंसल। स्रोत : संस्थान

उन्हें संस्कृत और संस्कृति दोनों का संरक्षण करना होगा।

उन्होंने कहा कि भाषा, संस्कृति और भूखंड इन तीनों के समावेश से ही राष्ट्र की परिकल्पना साकार होती है। अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. प्रदीप कुमार और भाषा संकाय अध्यक्ष प्रो. रोशन लाल शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष प्रो. योगेंद्र कुमार ने किया और अंत में उन्होंने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया। ब्यूरो